attitude of the Advisor to Governor of Goa. The retired person is sitting in the Chief Minister's chair and he is occupying the Chief Minister's official residence. This is highly objectionable Sir, it is denigration of a democratic institution and an insult to the people of Goa I have complained to the Home Minister on the 28th December, but instead of removing the Advisor the Home Minister has removed the Governor. Nothing has been done about this Advisor. I would request the Home Minister to act immediately in this matter

---

DEMAND FOR CBI INQUIRY INTO TERRORIST ACTIVITIES IN DHANBAD

श्री शंकर दयाल सिंह (बिहार) : उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से बहुत जरूरी एक बात की ओर सरकार का ध्यान दिलाना चाहता हूं । सभी को इस बात की जानकारी होगी कि धनबाद में पिछली तीन तारीख को बैंक आफ इंडिया में बड़ी भारी डकैती हुई और उस डकैती में एक आई०पी०एस० अधिकारी, वहां का एस० पी० मारा गया । जिन लोगों ने यह डकैती डाली थी उन्हीं लोगों ने इस एस० पी० की हत्या की । मैं आपके माध्यम से तीन जनवरी को धनबाद में बैंक की डकैती के बारे में कहना चाहता हूं कि इसमें आतंकवादियों का हाथ था और इसी में एक आई०पी०एस० अधिकारी, बहादुर अधिकारी की मृत्यु हो गई । मैं इसलिए ध्यान दिलाना चाहता हूं कि बैंक डकैती कैसे हुई जब कि बैंक सबसे सुरक्षित होते हैं । लेकिन आज बैंक सुरक्षित नहीं रह गये हैं । दूसरी बात मैं यह कहना चाहता हूं कि आई०पी०एस० अधिकारी की जो मौत हुई है उसकी जांच होनी जरूरी है । दूसरे आतंकवादियों का फैलाव बढ़ रहा है। इसलिए मैं बताना चाहता हूं कि धनबाद में कोयलरी और दूसरी जगह जो इंडस्ट्रियल जगह है उनमें भी खतरा पैदा हो गया है। चौथी बात यह कहना चाहता हूं कि एक ट्रेड यूनियन लीडर भी वहां मारा गया लेकिन उसके बारे में अभी तक किसी कम्पनसेशन का प्रावधान नहीं हुआ । अंतिम बात मैं यह कहना चाहता हूं कि प्रेस ने ये बातें भले ही नहीं निकाली लेकिन अखबारों ने, दैनिक अखबारों ने जैसे "आवाज" है बड़े मोटे-मोटे हैडिंग में निकाली है उसमें लिखा है कि एस०पी० ने मुकाबला करते हुए अपनी जान कुर्बान कर दी । "रांची एक्सप्रेस" ने लिखा कि एस०पी० रणधीर वर्मा मुठभेड़ में मारे गए । वहां के स्थानीय अखबार ने यह छापा कि मुठभेड़ में धनबाद का एस० पी० मारा गया । मैं इसलिए इन बातों को कह रहा हूं कि आई०पी०एस० अधिकारी की आतंकवादियों द्वारा जान ली गई है इसकी जांच होनी चाहिए । (व्यवधान)

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलूवालिया : रोहतास में एक राजपूत फैमली पूरी की पूरी खत्म हो गई, भागलपुर में फिर दंगे हुए उसके बारे में भी बोलिए ।

श्री शंकर दयाल सिंह : आप भी बिहार के हो आप भी इसके बारे में कहो । बिहार सरकार ने केन्द्रीय सरकार को लिखा है कि इसकी जांच सी०बी०आई० से होनी चाहिए । मैं सरकार से मांग करता हूं कि सी०बी०आई० के द्वारा इसकी जांच हो । श्री यशवंत सिन्हा जो लीडर आफ द हाउस हैं, यहां बैठे हुए हैं उनसे अनुरोध करूंगा कि वह अभी उठ कर इस बात को स्पष्ट करें कि वह सी०बी०आई की जांच इस बारे में करायें धन्यवाद ।

SHRI S. B. CHAVAN (Maharashtra): Mr. Vice-Chairman, Sir what is going on? When are we going to start the Business? For full one hour, we have been discussing nothing

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलूवालिया : उपसभाध्यक्ष महोदय, आई०सी०एम०आर० ने कोयली . . . (व्यवधान) . . .

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKIA). We have already spent one hour. Please be brief.

SHRI DINESHBHAI TRIVEDI (GUJARAT): I have been raising my hand for a long time. I want to raise a very important issue.

[The Deputy Chairman in the Chair]

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया : उपाध्यक्ष महोदया, आई०सी०एम०आर० ने लेप्रोसी की वैक्सीनेशन का वर्ल्ड आर्गनायजेशन की तरफ से हमारे हिंदुस्तान में उसका ट्रायल ऑपरेशन शुरू करने की बात सोची हैं। महोदया, हमारे भारतवासियो को गिनिपिग्स के रूप मे प्रयोग किया जा रहा है। महोदया, 30 जनवरी से तमिलन डु के चिंगलपट्ट डिस्ट्रिक्ट मे 3 लाख लेप्रोसी के पेसेंट्स पर ये वैक्सीनेशन प्रयोग होगा। 3 लाख लोगो पर गिनिपिग्स के रूप में उसका प्रयोग किया जाएगा। इसके प्रतिवाद मे मि० एम० जी० देव जो कि डायरेक्टर कैंसर रिसर्च इंस्टीट्यूट हैं और जो आई०सी०एम०आर० की कमेटी ऑन लेप्रोसी के भी मेबर मैने इस्तीफा दे दिया है।

महोदया, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान इस ओर आकर्षित करना चाहता हू और माग करता हू कि यह जो हिंदुस्तान मे तमिलन डु के चिंगलपट्ट डिस्ट्रिक्ट मे 3 लाख लेप्रोसी के पेसेंट्स को गिनिपिग्स बनाकर जो इस वैक्सीनेशन का प्रयोग किया जाने वाला है, इसको अविलम्ब रोका जाय और इस जाच की जाए कि किसके कहने पर यह वक्सीनेशन भारत लायी गयी और इसका प्रयोग किया जा रहा है। मैं मांग करता हू कि सरकार इस पर रोक लगाए। धन्यवाद।

SHRI DINESHBHAI TRIVEDI: Madam, I want to raise an important issue about the Gulf situation. I would like to know from the Government— I am glad the Minister for Environment is sitting here — that in case if the unfortunate war at all breaks out, what is the level of our preparedness as far as the environment is concerned because there are reports that there are many oil wells which have the content of high sulphur. I hope this does not happen and better counsel would prevail upon the concerned parties. But should this happen, what is the level of preparedness as far as India is concerned in terms of the environment? And I am glad the Minister of Environment is here. We would like to have a statement from the Government as to how and in what way we are prepared to face this eventuality if it happens? And No. 2: What are we going to do about our people in that region? Thank you.

डा० अबरार अहमद (राजस्थान) मैडम, इस गल्फ क्रायसिस के बारे मे कल मैंने कहा था कि जो हालात बन गए हैं, उसमें सदन को एक रिजोल्यूशन पास करन चाहिए कि किसी भी तरह से इस वार को टाला जाए और आने वाले संकट से बचा जाए।

उपसभापति : कल इस बात पर चर्चा हो चुकी है और इस में कोई दो राय नहीं हैं कि यह जो खाडी का संकट है, उसके भयंकर अंजाम हो सकते हैं। इसलिए कृपया दूसरे मसलों पर बात करें। एक ही बात का रोज बार-बार जिक्र मत करिए। सरकार के सामने कल ये बात कही गयी थी। सरकार इस बात को समझ रही हैं वह समझ रही हैं कि यह बहुत सीरियस मैटर है। इसलिए कृपा करके बैठ जाइए। श्री रामजी लाल सुमन ईंट्रोडक्सन ऑफ द बिल। ... (व्यवधान) .. राम अवधेशजी बैठिए।

Now, please do not interrupt. Everybody knows tomorow is the 'akhri din' of this Session of the House

अखिरी दिन ऑफ दिस सेशन, इसलिए यकीनन सरकार इस पर कुछ बोलेगी, निर्णय लेगी।

SHRI JAGDISH PRASAD MATHUR (Uttar Pradesh): Before he makes a statement..,

THE DEPUTY CHAIRMAN: He is not making a statement. I am making a statement. Let him finish. (*Interruptions*)

राम अवधेश जी, कृपया स्थान ग्रहण कीजिए। अभी सुमन जी का नाम बुलाया है। मैं कह रही हूं कि सरकार ने सुना है। अगर आज और कल के बीच में सरकार कोई निर्णय लेकर हाउस के सामने लाती है वह बात कही जाएगी। इसलिए कृपया हाउस को आगे बढ़ने दीजिए। अब आप नहीं बोलेंगे। हां, सुमन जी बोलिए।

12.00 Noon

श्री राम अवधेश सिंह (बिहार): मैंने कुछ बोला ही नहीं। . . .

उपसभापति: अभी नहीं, अभी बैठिए।

श्री जगदीश प्रसाद माथुर: सुमन जी को बिल के बारे में अर्ज करना चाहता हूं। जब सुबह. . .

उपसभापति: अभी नहीं। अभी इन्ट्रोडक्शन आफ बिल है। बैठिए अभी बिल का इन्ट्रोडक्शन होगा, उसमें आप नहीं बोलेंगे। (**व्यवधान**). . .

श्री राम अवधेश सिंह: इस्पेशल मे मेरा नाम जोड़ दीजिए।. . . (**व्यवधान**). . .

उपसभापति: स्पेशल मेशन अभी नहीं आए हैं, अभी इन्ट्रोडक्शन आफबिल हो रहा है। बैठिए जरा। म बाद मे देखूगी कि क्या है, मेरे प स अभी लिस्ट नही है।

श्री राम अवधेश सिंह: देखूगी नहीं, आप वचन दीजिए।

THE DEPUTY CHAIRMAN: I never give my commitment unless and until I see what is your special mention:

श्री राम अवधेश सिंह: हमेशा ही आप ऐसा करती है।. . . (**व्यवधान**). . .

SHRI M. M. JACOB (Kerala): Madam,...

THE DEPUTY CHAIRMAN: Let me handle one person Don't put fuel to the fire.

SHRI M. M. JACOB: Hon. Minister's name was called in the morning.

THE DEPUTY CHAIRMAN: He was busy in the Lok Sabha,

SHRI M. M. JACOB: But he must tell us.

SHRI JAGDISH PRASAD MATHUR: Madam, even if a Member is called and he is not here, he is not allowed to make his submission.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Let him explain. He must be having a genuine problem.

SHRI JAGDISH PRASAD MATHUR: He is a new Minister anyway but the Government could have made a submission here that the Minister is not here and, therefore, permission may be given to him to introduce the Bills later.

उपसभापति: अभी नए मंत्री हैं, सीख रहे हैं, सीख जाएंगे। अभी रुक जाइए, ऐसे नहीं पीछे पड़ते। माथुर साहब, सीख जाएंगे, कुछ हो गया होगा। उन्हें बोलने तो दीजिए।

श्रम मंत्रालय में राज्य मंत्री और कार्यक्रम मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री रामजी लाल सुमन): मेरी बात तो सुन लीजिए' माथुर साहब। मैं बताता हूं कि (**व्यवधान**). . .

SHRI JAGDISH PRASAD MATHUR: It is the responsibility of the other Ministers. I don't blame Mr. Suman. I blame the entire Government. They should have intimated to the House that Mr. Suman is busy in the other House and he will come late.

उप सभापति: अभी वह बताएं तो। मुझे भी नहीं मालूम।

श्री रामजी लाल सुमन: मैं बता रहा हूं। उपसभापति जी, मैं क्षमा-प्रार्थी हूं। लोक सभा में हमारे मंत्रालय से संबंधित सवाल थे। होना यह चाहिए था कि मैं अपने किसी दूसरे स थी से निवेदन करता।

[श्री रामजी लाल सुमन]

मैं यहां पर हाजिर रहा, मैं उसके लिए क्षमा-प्रार्थी हूं और मैं आपको भरोसा दिलाता हूं कि भविष्य में इस तरह की गलती की पुनरावृत्ति नहीं होगी ।

उपसभापति : बस, अब क्षमा हो गई मैंने भी एक्सप्ट कर लिया ।

THE BOARD FOR WELFARE AND PROTECTION OF RIGHTS OF HANDICAPPED BILL, 1991.

श्रम मंत्रालय में राज्यमंत्री और कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री रामजी लाल सुमन) : उप सभापति महोदया, मैं प्रस्ताव करता हूं कि असुविधाग्रस्त व्यक्तियों के कल्याण और अधिकारों के संरक्षण के लिए एक बोर्ड का गठन करने और उससे संबंधित या उसके आनुषंगिक विषयों का उपबंध करने वाले विधेयक को पुर:स्थापित करने की अनुमति दी जाए ।

The question was put and the motion was adopted.

श्री रामजी लाल सुमन : मैं इस विधेयक को पुर:स्थापित करता हूं ।

THE NATIONAL TRUST FOR WELFARE OF PERSONS WITH MENTAL RETARDATION AND CEREBRAL PALSY BILL, 1991.

श्रम मंत्रालय में राज्य मंत्री और कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री रामजी लाल सुमन) : उपसभापति महोदया, मैं प्रस्ताव करता हूं कि मानसिक अवसन्नता और प्रमस्तिष्क अंगघात ग्रस्त व्यक्तियों के कल्याण के लिए एक न्यास का गठन करने के लिए और उससे संबंधित या उसके आनुषंगिक विषयों का उपबंध करने वाले विधेयक को पुर:स्थापित करने की अनुमति दी जाए ।

The question was put and the motion was adopted.

श्री रामजी लाल सुमन : मैं इस विधेयक को पुर:स्थापित करता हूं ।

THE DEPUTY CHAIRMAN: Now, I think, we had been discussing Assam and it was not completed yesterday. We also have special mentions. Could we continue discussion on Assam which is a very serious matter? After that we can take up special mentions

SHRI M M. JACOB. Discussion on price rise is being put down everyday This is the third day that this discussion is becoming a casualty It is a serious matter and we want to discuss price rise

THE DEPUTY CHAIRMAN: To discuss all these important matters I think we should expedite our work in the House I call upon Mr Chaturanan Mishra to continue.

---

1. RESOLUTION APPROVING PRESIDENT'S PROCLAMATION UNDER ARTICLE 356 IN RELATION TO ASSAM

2. MOTION RECOMMENDING REVOCATION OF THE PROCLAMATION—Contd.

श्री चतुरानन मिश्र (बिहार) : उपसभापति महोदया,

उपसभापति : जरा जल्दी-जल्दी बोल दीजिए जो भी बोलना है ।

श्री चतुरानन मिश्र : जो भी आप समय दीजिए ।

श्री अरविन्द गणेश कुलकर्णी (महाराष्ट्र) : जो भी बोलें रिलिवेंट ही बोलना चाहिए ।

उपसभापति : उनके लिहाज से तो रिलीवेंट हो होगा, आपके लिहाज से इरिलीवेंट हो सकता है ... (**व्यवधान**) उनके लिहाज से सोचिए ।